मुंबई इंडियंस को फिर विजेता बनाने कमियों को दूर करना होगा : पोलार्ड

मुम्बई

मुंबई इंडियंस के नये मुख्य कोच बने वेस्टइंडीज के कीरोन पोलार्ड ने माना है कि टीम में कुछ कमजोरियों आई है जिन्हें नये सत्र से पहले दूर करने का प्रयास किया जाएगा। पोलार्ड का कहना है कि वह फिर भी टीम को शीर्ष पर पहुंचा चाहते है पर इसके लिए सभी को अपनी कमियों को दूर करना होगा। उन्होंने माना है कि पिछले कुछ सत्र में टीम उम्मीदों पर खरी नहीं उतर पाई है और अब समय आ गया है कि इन बातों पर ध्यान दिया जाये। पोलार्ड का मानना है कि टीम को दोबारा निडर और दमदार क्रिकेट खेलना खेलना जो कि मुंबई इंडियंस की अब तक की पहचान रही है।पोलार्ड को महेला जयवर्धने की जगह पर कोच की जिम्मेदारी दी गयी है। पोलार्ड का मुंबई इंडियंस और उसकी सहयोगी फ्रेंचाइजी के साथ जुड़ाव आईपीएल 2010 से ही रहा है। गौरतलब है कि एक खिलाड़ी के तौर पर पोलार्ड मुंबई इंडियंस के पांच आईपीएल खिताबी अभियानों का अहम हिस्सा रहे हैं। टीम ने 2013, 2015, 2017, 2019 और 2020 में आईपीएल ट्राफी जीती थी, जिसमें उनका योगदान असाधारण रहा। इसके अतिरिक्त, वह 2011 और 2013 में मुंबई की चैंपियंस लीग टी20 खिताबी जीत में भी शामिल थे। उन्होंने आईपीएल में कुल 189 मैच खेले हैं, जिसमें 3412 रन बनाए और 69 विकेट अपने नाम किए, जो उनकी आलराउंड क्षमता को दिखाता है।फ्रेंचाइजी के सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो में पोलार्ड ने प्रशंसकों से बात करते हुए कहा, एक टीम के तौर पर हमें यह समझना होगा कि हम उतने शानदार नहीं रहे, जितना आप हमें देखना चाहते हैं। बेहतर बनने की दिशा में पहला कदम इस बात को स्वीकार करना है। उन्होंने अपने वफादार प्रशंसकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे आने वाले समय में फिर से वही जुनून और यादगार पल देखना चाहते हैं, जो टीम ने अतीत में दिए हैं। पोलार्ड ने जोर देकर कहा कि टीम को सबसे पहले यह समझना होगा कि वे किसके लिए खेल रहे हैं। अपने प्रशंसकों और शहर के लिए। गौरतलब है कि मुख्य कोच के तौर पर पोलार्ड का पहला काम टीम की समस्याओं को पहचानना और उन्हें दूर करना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब व्यक्तिगत हितों से ऊपर टीम को रखा जाएगा और विरोधी टीमों को मुंबई इंडियंस की पुरानी ताकत का एहसास कराया जाएगा। अपने नए पद को खास अनुभव बताते हुए पोलार्ड ने कहा कि अभी तक यह पूरी तरह से उनके दिमाग में नहीं बैठा है कि वह अब मैदान के दूसरी तरफ इस भूमिका में हैं। हालांकि, उनकी जीतने की भूख में कोई कमी नहीं आई है और आग पहले की तरह ही जलती रहेगी, भले ही अब वह मैदान से थोड़ी दूर रहेंगे।पोलार्ड के पास इंग्लैंड की द हंड्रेड प्रतियोगिता में एमआई लंदन के मुख्य कोच के रूप में फ्रेंचाइजी कोचिंग का अनुभव पहले से है। उन्होंने महेला जयवर्धने के साथ काम करने के अनुभव को भी अहमबताया, जिससे उन्हें खेल की नई समझ मिली। अब वह इसी अनुभव और अपनी नेतृत्व क्षमता का इस्तेमाल करते हुए मुंबई इंडियंस को आगामी आईपीएल सीज़न में फिर से खिताब की दौड़ में एक मजबूत दावेदार बनाने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

एमबाप्पे के दो गोल से रियल मैड्रिड ने बार्सिलोना को 2-1 से हराया

बार्सिलोना। किलियन एमबाप्पे के दो गोल की मदद से रियल मैड्रिड ने एल क्लासिको मुकाबले में बार्सिलोना को 2-1 से हरा दिया। इस जीत के साथ रियल मैड्रिड ने ला लीगा की अंकतालिका में शीर्ष पर काबिज बार्सिलोना से अपना अंतर घटाकर तीन अंक कर लिया। बार्सिलोना के घरेलू मैदान कैंप नोउ में खेले गए मुकाबले में एमबाप्पे ने मध्यांतर से पहले गोल कर रियल मैड्रिड को बढ़त दिलाई। इसके बाद राफिन्हा ने गोल कर बार्सिलोना को बराबरी पर ला दिया। हालांकि, एमबाप्पे ने मुकाबले के अंतिम चरण में एक और गोल दागकर रियल मैड्रिड की जीत सुनिश्चित कर दी। इस हार के साथ बार्सिलोना को मौजूदा सत्र में घरेलू प्रतियोगिताओं में पहली हार का सामना करना पड़ा। लगातार दूसरी हार से बार्सिलोना पर दबाव बार्सिलोना को इससे पहले मंगलवार को चैंपियंस लीग में पेरिस सेंट-जर्मेन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। इस तरह टीम को लगातार दूसरी हार मिली। जर्मन कोच हांसी फ्लिक के नेतृत्व में बार्सिलोना ने इससे पहले लीग के अपने शुरुआती नौ मुकाबले जीते थे, लेकिन पिछले एक सप्ताह में टीम का प्रदर्शन लड़खड़ा गया। फ्लिक के आने के बाद पिछले सात एल क्लासिको मुकाबलों में से छह में बार्सिलोना ने जीत दर्ज की थी। हालांकि, इस बार जोस मोरिन्हो के मार्गदर्शन में खेल रही रियल मैड्रिड की टीम के सामने उसे संघर्ष करना पड़ा। मोरिन्हो के नेतृत्व में लय में रियल मैड्रिड निलंबन के कारण विंगर विनीसियस जूनियर के बिना उतरी रियल मैड्रिड ने सभी प्रतियोगिताओं में लगातार पांचवीं जीत दर्ज की। अनुभवी पुर्तगाली कोच मोरिन्हो के मार्गदर्शन में टीम धीरे-धीरे अपनी लय हासिल कर रही है। इस जीत से रियल मैड्रिड को खिताब की दौड़ में महत्वपूर्ण बढ़त मिली है, जबकि बार्सिलोना को लगातार दो हार के बाद अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा।

भारतीय खेल जगत के लिए बड़ी खबर: अहमदाबाद में 2029 में होगी भारोत्तोलन विश्व चैंपियनशिप, आईडब्ल्यूएफ का एलान

नई दिल्ली। गुजरात का अहमदाबाद शहर वर्ष 2029 में सीनियर भारोत्तोलन विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा। अंतरराष्ट्रीय भारोत्तोलन महासंघ (आईडब्ल्यूएफ) ने चीन के निंग्बो में आयोजित कार्यकारी बोर्ड की बैठक के बाद इसकी आधिकारिक घोषणा की। इस आयोजन के साथ ही भारत पहली बार सीनियर भारोत्तोलन विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा। 2029 और 2030 के मेजबान शहरों का चयन अंतरराष्ट्रीय भारोत्तोलन महासंघ ने अपनी कार्यकारी बोर्ड की बैठक में वर्ष 2029 और 2030 की सीनियर विश्व चैंपियनशिप के मेजबान शहरों का चयन किया। इसके तहत 2029 की प्रतियोगिता अहमदाबाद में आयोजित होगी, जबकि वर्ष 2030 की मेजबानी रूस की राजधानी मास्को को सौंपी गई है। इसके अलावा, बोर्ड ने वर्ष 2028 की विश्व युवा भारोत्तोलन चैंपियनशिप की मेजबानी कोसोवो की राजधानी प्रिश्टिना और विश्व जूनियर चैंपियनशिप की मेजबानी वेनेजुएला की राजधानी काराकास को देने का फैसला किया।

अबू धाबी टी10 के प्रसारण अधिकार जियोस्टार को, भारत में स्टार स्पोर्ट्स और जियोहाटस्टार पर दिखेंगे सभी 32 मुकाबले

अबू धाबी। अबू धाबी टी10 लीग ने भारतीय उपमहाद्वीप में अपनी पहुंच बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। टूर्नामेंट के आयोजकों ने 2026 सत्र के प्रसारण अधिकार जियोस्टार को सौंप दिए हैं। इसके तहत टूर्नामेंट के सभी 32 मुकाबलों का सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स के टेलीविजन नेटवर्क पर होगा, जबकि डिजिटल माध्यम पर मुकाबले जियोहाटस्टार पर देखे जा सकेंगे। आयोजकों के अनुसार, इस साझेदारी का उद्देश्य दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट बाजार भारत में टूर्नामेंट की पहुंच बढ़ाना और अधिक से अधिक प्रशंसकों को क्रिकेट के सबसे तेज प्रारूप से जोड़ना है। जियोस्टार के साथ यह करार अबू धाबी टी10 की वैश्विक विस्तार रणनीति का अहम हिस्सा है। 13 दिन में खेले जाएंगे 32 मुकाबले अबू धाबी टी10 का 2026 संस्करण 7 से 20 नवंबर तक अबू धाबी के जायेद क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित होगा। टूर्नामेंट में कुल 32 मुकाबले खेले जाएंगे। इसमें छह दिन तीन-तीन मुकाबले और सात दिन दो-दो मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। टूर्नामेंट का आधिकारिक खिलाड़ी चयन कार्यक्रम 30 सितंबर को अबू धाबी में आयोजित किया गया था, जिसमें क्रिकेट के कई प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के शामिल होने की तैयारी है।

किमी एंटोनेली ने जीती अमेरिकी ग्रां प्री, विश्व चैंपियनशिप खिताब से बस दो अंक दूर

आस्टिन

मर्सिडीज के युवा इतालवी ड्राइवर किमी एंटोनेली ने अमेरिकी ग्रां प्री जीतकर फार्मूला वन विश्व चैंपियनशिप का खिताब जीतने की ओर मजबूत कदम बढ़ाया। 20 वर्षीय एंटोनेली अगले सप्ताह मेक्सिको में खिताब अपने नाम कर सकते हैं। वह फार्मूला वन के इतिहास में सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन बनने की दहलीज पर हैं।

अमेरिका के आस्टिन स्थित सर्किट आफ द अमेरिकाज में एंटोनेली ने पोल पोजिशन से शुरुआत की और एक बार पिट स्टाप की रणनीति के साथ शानदार जीत दर्ज की। यह इस सत्र में उनकी नौवीं जीत रही। उन्होंने फेरारी के चार्ल्स लेक्लेर को 13.078 सेकंड से पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया, जबकि रेड बुल के मैक्स वेरस्टैपेन तीसरे स्थान पर रहे।

खिताब के लिए चाहिए सिर्फ दो अंक

अमेरिकी ग्रां प्री के बाद एंटोनेली के कुल अंक अपने मर्सिडीज साथी जार्ज रसेल से 123 और फेरारी के लुईस हैमिल्टन से 124 अधिक हो गए हैं। अब सत्र में अधिकतम 125 अंक ही उपलब्ध हैं। मेक्सिको ग्रां प्री के बाद यह संख्या घटकर 100 रह जाएगी।

एंटोनेली को मेक्सिको सिटी में नौवां स्थान हासिल करने पर दो अंक मिलेंगे, जो उन्हें खिताब पक्का करने के लिए पर्याप्त होंगे। इस तरह वह अगले सप्ताह ही विश्व चैंपियन बन सकते हैं।

जीत के बाद एंटोनेली ने कहा कि यह टीम के लिए जरूरी नतीजा था और पूरी टीम इसकी हकदार है। उन्होंने कहा कि वे खिताब के बेहद करीब हैं और जल्द ही इसे पक्का करने की उम्मीद करते हैं।

शुरुआत से ही बनाए रखी बढ़त

रेस की शुरुआत में एंटोनेली ने शानदार गति दिखाई और पहले लैप के अंत तक दूसरे स्थान पर चल रहे ड्राइवरों से 2.3 सेकंड की बढ़त बना ली। पीछे दूसरे स्थान के लिए लेक्लेर, हैमिल्टन और वेरस्टैपेन के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली।

दूसरे लैप में ट्रैक से मलबा हटाने के लिए कुछ समय के लिए वर्चुअल सेफ्टी कार लागू की गई। वहीं, मर्सिडीज के जार्ज रसेल को पहले लैप में मैकलारेन के आस्कर पियास्त्री से आगे निकलने के दौरान अनुचित लाभ लेने के लिए पांच सेकंड की पेनल्टी मिली।

हास के ड्राइवर ओली बेयरमैन को अल्पाइन के पियरे गैस्ली से टक्कर के लिए 10 सेकंड की पेनल्टी दी गई। वह रेस के मध्य तक बाहर हो गए।

नारिस पांचवें, पियास्त्री सातवें स्थान पर

मैकलारेन के मौजूदा विश्व चैंपियन लैंडो नारिस पांचवें स्थान पर रहे। रेड बुल के इसाक हदजार ने छठा स्थान हासिल किया, जबकि मैकलारेन के आस्कर पियास्त्री सातवें स्थान पर रहे। रसेल आठवें, रेसिंग बुल्स के लियाम लासन नौवें और अल्पाइन के पियरे गैस्ली दसवें स्थान पर रहे।

अब सबकी नजरें अगले सप्ताह होने वाली मेक्सिको ग्रां प्री पर होंगी, जहां एंटोनेली के पास फार्मूला वन इतिहास में सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन बनने का सुनहरा अवसर होगा।

पूर्व विश्व चैंपियन हाकिनेन को भारत में फार्मूला-1 मुकाबले फिर शुरु होने की उम्मीद

मुम्बई। फार्मूला-1 चालक और दो बार के विश्व चैंपियन फिनलैंड के मिका हाकिनेन को उम्मीद है कि भारत में मोटरस्पोर्ट के मुकाबले फिर शुरु होंगे। मिका ने कहा कि भारत के लोग भी फार्मूला-1 रेस देखना चाहते हैं। वहीं भारत सरकार भी देश में फार्मूला-1 की वापसी के लिए सक्रिय प्रयास कर रही है, जिससे इस खेल की देश में वापसी की संभावनाएं बढ़ी हैं। हाकिनेन ने कहा, भारत में कई साल पहले रेस का आयोजन हुआ था और तब से ही लोगों का इसे आपार समर्थन मिला था। वहीं भारत दौरो के बाद बाद मैंने महसूस किया कि भारत में फार्मूला-1 के प्रशंसकों की संख्या बहुत बड़ी है। भारतीय इतिहास में दो चालकों की फार्मूला-1 में भागीदारी का भी जिक्र किया, जो भारत में रेस आयोजित करने की आवश्यकता को और पुष्ट करता है। हाकिनेन ने कहा कि भारत में फार्मूला-1 रेस का आयोजन केवल एक खेल आयोजन नहीं होगा, बल्कि इससे देश को आर्थिक लाभ भी होंगे। गौरतलब है कि भारत में फार्मूला-1 रेस का आयोजन 2011 से 2013 तक लगातार तीन वर्षों में किया गया था। इन सभी तीनों सत्रों में रेड बुल के लिए जर्मनी के सेबेस्टियन वेटल ने विश्व चैंपियनशिप का खिताब जीता था। हाकिनेन जैसे दिग्गज के इस बयान से भारत में इस प्रतिष्ठित मोटरस्पोर्ट की वापसी की बहस और तेज हो गयी है। मिका हाकिनेन ने रेड बुल की असाधारण प्रगति और मैक्स वेरस्टापेन के प्रभावशाली प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा, मुझे भरोसा है कि सत्र की शुरुआत के मुकाबले मैक्स अब ज्यादा खुश होंगे। मैं इस बात से प्रभावित हूं कि रेड बुल की टीम ने इतने कम समय में अपने प्रदर्शन और कार के विकास में इतना सुधार कैसे किया। मैक्स एक शानदार ड्राइवर हैं। यह दर्शाता है कि एक पूर्व चैंपियन होने के नाते वे खेल की बारीकियों पर पैनी नजर रखते हैं।

41वीं राष्ट्रीय जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में मप्र की दीपिका ने जीता स्वर्ण, प्रशांत ने दिलाया रजत पदक

भोपाल

तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 23 से 27 अक्टूबर 2026 तक आयोजित 41वीं राष्ट्रीय जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में मध्य प्रदेश एथलेटिक्स अकादमी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण और रजत पदक अपने नाम किए।

प्रतियोगिता के तीसरे दिन बालक अंडर-20 वर्ग की 5000 मीटर रेस वाक में प्रशांत कुमार ने रजत पदक जीता, जबकि बालिका अंडर-20 वर्ग की 3000 मीटर दौड़ में दीपिका शर्मा ने स्वर्ण पदक हासिल किया।

3000 मीटर दौड़ में दीपिका शर्मा ने जीता स्वर्ण पदक

प्रतियोगिता के तीसरे दिन के सत्र में आयोजित बालिका अंडर-20 वर्ग की 3000 मीटर दौड़ में मध्य प्रदेश एथलेटिक्स अकादमी की खिलाड़ी दीपिका शर्मा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 9 मिनट 52.58 सेकंड का समय निकालकर यह उपलब्धि हासिल की।

5000 मीटर रेस वाक में प्रशांत कुमार ने हासिल किया रजत पदक इससे पहले प्रतियोगिता में आयोजित बालक अंडर-20 वर्ग की 5000 मीटर रेस वाक स्पर्धा में मध्यप्रदेश एथलेटिक्स अकादमी के खिलाड़ी प्रशांत कुमार ने रजत पदक अपने नाम किया। उन्होंने 19 मिनट 55.56 सेकंड का समय दर्ज करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया।

खेल मंत्री कैलाश सारंग ने दी बधाई

प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने राष्ट्रीय जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि प्रदेश के युवा खिलाड़ी अपनी प्रतिभा, मेहनत और निरंतर अभ्यास के बल पर राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मध्य प्रदेश के खिलाड़ी आगामी प्रतियोगिताओं में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश का गौरव बढ़ाएंगे। खिलाड़ियों की सफलता अन्य युवाओं को खेलों से जुड़ने और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगी।

एसए20 लीग के पांच सत्र में खेलते दिखेंगे कई दिग्गज क्रिकेटर

जोहांसबर्ग। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट लीग एसए20 लीग का पांचवां सत्र सत्र क्रिकेट प्रेमियों के लिए विशेष रहेगा। इसमें कई बड़े अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी खेलते नजर आयेंगे। इस सत्र में आस्ट्रेलिया के टी20 कप्तान मिचेल मार्श से लेकर इंग्लैंड के आलराउंडर कुरेन खेलते दिखें। इन क्रिकेटरों के होने से लीग की लोकप्रियता और रोमांच का स्तर बढ़ेगा। मार्श तीन बार की चैम्पियन सनराइजर्स ईस्टर्न केप के साथ जुड़कर एसए20 में अपनी नई पारी शुरु करेंगे। सनराइजर्स के पास पहले से ही क्विंटन डिकाक, मैथ्यू ब्रीज्के, जार्डन हरमान और कप्तान ट्रिस्टन स्टब्स जैसे दमदार बल्लेबाज मौजूद हैं, जिससे उनकी बल्लेबाजी लाइनअप और मजबूत हो गई है। वहीं, इंग्लैंड के स्टार आलराउंडर सैम कुरेन अब मुंबई इंडियंस केपटाउन की जगह डरबन सुपर जाइंट्स के लिए खेलेंगे। वह अपनी राष्ट्रीय टीम के साथी जोस बटलर के साथ सुपर जाइंट्स टीम का हिस्सा होंगे, जो निश्चित रूप से टीम को एक नई गति प्रदान करेगा।

आस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट में तेज गेंदबाज नार्टजे के बिना उतरेंगी दक्षिण अफ्रीका

केप टाउन

दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिक नार्टजे ग्रोइन में हल्की चोट के कारण आस्ट्रेलिया के खिलाफ मंगलवार से शुरु होने वाले तीसरे टेस्ट मैच में नहीं खेलेंगे। नार्टजे का बाहर होना अफ्रीकी टीम के लिए बड़ा झटका है। यह सीरीज अभी 1-1 से बराबरी पर है और इस मैच में जीतने वाली टीम सीरीज विजेता बनेगी। ऐसे में हुए केप टाउन के न्यूलैंड्स मैदान पर खेले जाने वाले इस मुकाबले में जीत के लिए दोनो ही टीमें पूरी ताकत लगा देंगी। ऐसे में नार्टजे जैसे बेहतरीन गेंदबाज की कमी अफ्रीकी टीम को खलेगी।

नार्टजे की जगह पर अभी तक किसी अन्य गेंदबाज को शामिल नहीं किया गया है। इससे टीम के खिलाड़ियों पर दबाव और बढ़ गया है। नार्टजे को गकेबरहा में खेले गए दूसरे टेस्ट की पहली पारी में गेंदबाजी करते समय चोट लगी थी। बुधवार को चोटिल होने के बाद वह चौथे दिन सुबह अपने चौथे ओवर के बीच में ही मैदान छोड़कर चले गए थे। इसके बाद स्कैन जांच में उनकी चोट की पुष्टि हुई, जिसके बाद उन्हें निर्णायक मुकाबले से बाहर रखने का यह कठिन फैसला लिया गया।

नार्टजे के लिए यह चोट इसलिए भी निराशाजनक है, क्योंकि उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में लंबे अंतराल के बाद वापसी की थी। डरबन में सीरीज के पहले टेस्ट से पहले उन्होंने साढ़े तीन साल से ज्यादा समय तक टेस्ट नहीं खेला था। निर्णायक टेस्ट में नार्टजे की जगह भरने के लिए दक्षिण अफ्रीका के पास कुछ विकल्प मौजूद हैं। तेज गेंदबाजों में गेराल्ड कोएत्जी, आलराउंडर कार्बिन बाश और डेन पैटरसन में से किसी एक को मौका मिल सकता है। हालांकि, इन खिलाड़ियों के पास टेस्ट मैचों का काफी कम अनुभव इनकी राह में बाधा बन सकता है। कोएत्जी ने करीब दो साल से टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला है, जबकि बाश और पैटरसन भी टीम के साथ पहले टेस्ट से मौजूद हैं लेकिन उन्हें मौका नहीं मिला है।वहीं न्यूलैंड्स की पिच की प्रकृति और टीम संयोजन को ध्यान में रखते हुए, दक्षिण अफ्रीका की टीम बाएं हाथ के स्पिन आलराउंडर सेनुरन मुथुसामी को अंतिम ग्यारह में शामिल करा सकती है। पिच की स्थिति स्पिनरों के अनुकूल होने पर यह एक महत्वपूर्ण रणनीतिक बदलाव साबित हो सकता है।

नार्टजे जैसे विश्व स्तरीय तेज गेंदबाज की अनुपस्थिति में, दक्षिण अफ्रीका के शेष गेंदबाजी आक्रमण पर अतिरिक्त जिम्मेदारी रहेगी कि वे आस्ट्रेलिया के मजबूत बल्लेबाजी क्रम को नियंत्रित करें और विकेट हासिल करें।दक्षिण अफ्रीका की टीम में कप्तान टेम्बा बावुमा के अलावा मार्क्स एकरमैन, डेविड बेडिंघम, कार्बिन बाश, मैथ्यू ब्रीट्जके, गेराल्ड कोएत्जी, साइमन हार्मर, मार्को यानसन, केशव महाराज, एडेन मार्करम, वियान मुल्डर, सेनुरन मुथुसामी, डेन पैटरसन, कगिसो रबाडा, रयान रिकेल्टन और काइल वेरेन जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। अब देखना दिलचस्प होगा कि टीम प्रबंधन नार्टजे की जगह किस खिलाड़ी को अंतिम एकादश में शामिल करता है।

रहाणे ने अपनी सर्वकालिक टेस्ट एकादश में धवन, द्रविड, धोनी और सचिन को किया शामिल

मुम्बई

पूर्व क्रिकेटर अजिंक्य रहाणे ने अपनी सर्वकालिक टेस्ट एकादश की घोषणा ही है। रहाणे ने अपनी टीम में सलामी बल्लेबाज के तौर पर मुरली विजय और शिखर धवन को रखा है। वहीं नंबर तीन पर द वाल राहुल द्रविड़ को जगह मिली, जबकि चौथे नंबर पर महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को रखा हैं। रहाणे ने स्वयं अपने को नंबर पांच पर रखा है जबकि टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को सौंपी गई, जो नंबर छह पर बल्लेबाजी करते हैं।

विराट, रोहित और बुमराह को नहीं मिली जगह

धोनी को कप्तान चुनने का कारण बताते हुए रहाणे ने कहा कि वह उनके पहले अंतरराष्ट्रीय कप्तान थे। हैरानी की बात है कि रहाणे की इस टीम में रोहित शर्मा और विराट कोहली के अलावा तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और चैतेश्वर पुजारा जैसे दिग्गजों को जगह नहीं मिली है। इसके लेकर रहाणे का कहना है कि उन्होंने केवल उन्हीं खिलाड़ियों को शामिल किया है जिनके साथ उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू करियर में खेला है।

वहीं रवींद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन की जोड़ी को स्पिन गेंदबाजी और आल-राउंडर विकल्पों के रूप में शामिल किया गया, जो अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों से मैच का रुख पलटने की क्षमता रखते हैं। तेज गेंदबाजी आक्रमण की कमान भुवनेश्वर कुमार, मोहम्मद शमी और इशांत शर्मा को सौपी है।

यह तीनों गेंदबाज उस भारतीय टीम का अभिन्न हिस्सा थे जिसने 2018 के बाद से तेज गेंदबाजी पर विशेष ध्यान देना शुरू किया और विदेशी धरती पर भारत को कई यादगार टेस्ट जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

यह तिकड़ी अपनी गति, स्विंग और सटीकता के लिए जानी जाती थी।यह स्वाभाविक था कि जब इस एकादश में विराट र रोहित से आधुनिक युग के दो सबसे बड़े नामों को नहीं देखा गया, तो क्रिकेट प्रशंसक और विशेषज्ञ दोनों ही आश्चर्यचकित रह गए। जिसके लिए रहाणे ने कहा कि उन्हीं को इस टीम में रखा गया है जो उनके साथ खेले थे।

गौरतलब है कि रहाणे ने इसी साल जुलाई में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया था। वहीं संन्यास के बाद, विराट ने सोशल मीडिया पर रहाणे की जमकर तारीफ की थी। कोहली ने लिखा था कि रहाणे उनके सबसे पसंदीदा टेस्ट बल्लेबाजी पार्टनर और स्लिप में सबसे सुरक्षित जोड़ीदार थे, और उन्होंने भारतीय क्रिकेट के लिए शानदार योगदान दिया है। यह इस बात का प्रमाण है कि मैदान पर भले ही रहाणे ने अपनी विशेष एकादश में कुछ खिलाड़ियों को शामिल न किया हो, लेकिन आपसी सम्मान और भाईचारा हमेशा बना रहता है।